ये अव्यक्त इशारे

अब सम्पन्न वा कर्मातीत बनने की धुन लगाओ

13-12-2025

पिछले कर्मों के हिसाब-किताब के फलस्वरूप तन का रोग हो, मन के संस्कार अन्य आत्माओं के संस्कारों से टक्कर भी खाते हों लेकिन कर्मातीत, कर्मभोग के वश न होकर मालिक बन हिसाब चुक्तू करावे। कर्मयोगी बन कर्मभोग चुक्तू करना - यह है कर्मातीत स्थिति की निशानी। प्रैक्टिस करो अभी-अभी कर्मयोगी, अभी-अभी कर्मातीत स्टेज।

Now have the deep concern become complete and karmateet.

As a result of the karmic account of your past actions, you can have an illness of the body, or some conflict of sanskars with the sanskars of others. To become karmateet, do not be influenced by the suffering of karma, but settle your accounts as a master. To settle the suffering of karma by being a karma yogi is a sign of becoming karmateet. Practise being a karma yogi one moment and having the karmateet stage the next.